April - June, 2014 www.nbjk.org अप्रैल-जून, 2014

Focus

NBJK WITH SANITATION PROGRAMS

Taking preventive and curative measures for people's health is a focus area of NBJK right from its inception. It has planned and implemented an ambitious urban sanitation program like Clean Jharkhand Project (2002-10) with foundation support of ICEF, New Delhi and served around 50,000 households by garbage collection & management in 5 municipalities including Ranchi. Sanitation is a vital issue under the domain of public health system and the organization has contributed to ensure this through WASH initiative at schools & slum areas, campaign against open defecation practice in villages and demonstration of waste recycling during 2013-14.

CAF India supported project of Schools for WASH and Groundwater Recharge is operational in 4 schools of Hazaribag and Ranchi districts. Under this, toilets and urinals in the schools were renovated, repaired or constructed. The target schools have been provided deep boring, hand pumps and water purifiers to make drinking water available to children and teachers. Sports facilities like Swing, Slide, and Merry Go Round have been provided in schools. Through Bal Sansad (Chidren Parliament), students are involved in up keeping & maintenance of school WASH assets/ status. Adoption of model for Ground Water Recharge System has made these schools count among the few doing so. Community Based WASH Initiative for Urban Poor is being implemented in 32 slums of Ranchi with support of WaterAid, UK. It is a demand driven and community led effort to facilitate access to safe drinking water, sanitation and hygiene coverage. Construction of community/personal toilets, drainage, and soak pits has shown people a way to live with dignity. There are 3 Community Sanitary Blocks (CSBs) constructed or renovated for people of 5 slum areas neglected for WASH facilities earlier. These communities managed CSBs provide paid service for 24x7 and safe for women & girls. There are 3603 beneficiary households organized as slum development committees to have a strong voice over the issue. Promoting Sustainable Sanitation in Rural India is an awareness program against open defecation and adoption of improved hygiene behavior by rural community. It is being executed In 61 villages under Simdega district in Jharkhand with support of Global Sanitation Fund (UNO) and NRMC India Pvt. Ltd. It has demand creation components to motivate villagers for using toilets and other hygienic practices in their daily life. Activities like video show, wall painting/writing, street show, Swachhata Rath etc. have made this easy to understand. As community demonstration of solid waste management, NBJK has started Vermin Compost and Millboard Units at villages Chuttu and Chakla near Ranchi city in 2004-05. These are self sustainable and 220 MT of vermin compost with 338 MT of millboard were produced here last year.

न.भा.जा केन्द्र के स्वच्छता सम्बन्धी कार्यक्रम

लोगों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु निरोधात्मक एवं उपचारात्मक तरीकों पर काम करना न.भा.जा. केन्द्र की जन्मजात प्राथमिकता रही है। इसने आइ.सी.इ.एफ., नई दिल्ली के बुनियादी सहयोग से शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता सम्बन्धी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम ''क्लीन झारखण्ड परियोजना (2002-10)'' को रांची, पटना, रामगढ़, कोडरमा और हजारीबाग म्यूनिसिपल क्षेत्रों में क्रियान्वित कर लगभग 50,000 घरों से कूड़ा संग्रहण और प्रबंधन का दायित्व सफलतापूर्वक निर्वाह किया है। लोक स्वास्थ्य की अवधारणा में स्वच्छता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और संस्था द्वारा इसे स्कूलों, स्लम क्षेत्रों में वाश (वाटर, सैनिटेशन एंड हाइजीन) यानी जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु पहल, चेतना जागरण द्वारा व्यवहार/मनोवृत्ति परिवर्तन, खुले में शौच के खिलाफ अभियान तथा कचड़ा पुनर्चक्रीकरण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सबल बनाया गया है।

कैफ इंडिया, नई दिल्ली के सहयोग से विद्यालयों में वाश सुविधा और भूगर्भ जल संरक्षण/पुनर्भरण सम्बन्धी कार्यक्रम के तहत रांची और हजारीबाग जिलों में चार विद्यालयों का चयन किया गया है। इसमें विद्यालय परिसर के भीतर शौचालय/पेशाबघर निर्माण, मरम्मत या जीर्णोद्धार हुआ है। लक्षित विद्यालयों में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की पेय जल सुविधा हेतु डीप बोरिंग, हैंडपम्प और पानी शुद्ध करने के उपकरणों की व्यवस्था हुई है। बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले, स्लाइड्स तथा अन्य सामूहिक खेल सामग्रियाँ उपलब्ध करायी गई हैं। विद्यालय स्तर पर सक्रिय बाल संसद के माध्यम से स्कूली बच्चों को वाश सामग्रियों की देखभाल और स्वच्छता मानकों के अनुपालन हेतु प्रेरित किया जाता है। भूगर्भ जल संरक्षण और पुनर्भरण सम्बन्धी मॉडल को अपनाने वाले इन विद्यालयों द्वारा समाज में पानी के उपयोग, संरक्षण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति एक प्रभावशाली संदेश जा रहा है। दूसरी ओर, राँची शहर के 32 स्लम क्षेत्रों में वाटरएड यू.के. की मदद से निर्धनों हेतु समुदाय आधारित ''वाश'' पहल सम्बन्धी परियोजना क्रियान्वयन के सार्थक परिणाम निकले हैं। इस मांग प्रेरित और समुदायोन्मुखी कार्यक्रम ने सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं तक लोगों की पहुँच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। सामुदायिक एवं निजी शौचालय, स्नानघर, नाली, सोकपिट निर्माण अथवा मरम्मत जैसी गतिविधियों की वजह से इन मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं-बच्चियों को काफी राहत मिली है। नायक टोली, नगरा टोली, रविदास मोहल्ला, डोम टोली और कुरेशी मोहल्ला जैस स्लम क्षेत्रों के लिए शुरू किये गए तीन सामुदायिक स्वच्छता केन्द्रों द्वारा स्नान और शौच की अहर्निश सःशुल्क सेवा का लाभ लगभग 300 परिवारों को मिल रहा है और इन स्वच्छता केन्द्रों की देखरेख स्थानीय निवासी स्वयं करते हैं। इस कार्यक्रम के लाभुक 3603 घरों ने सम्बन्धित क्षेत्रों में स्लम विकास समिति का गठन कर पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों पर अपनी मानसिकता में बदलाव और संगठित आवाज उठाते रहने का जरूरी काम किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ स्वच्छता प्रोत्साहन सम्बन्धी कार्यक्रम सामुदायिक चेतना जागरण से सम्बन्धित है, जिसे न.भा.जा. केन्द्र सिमडेगा जिला (झारखण्ड) के 61 गाँवों में क्रियान्वित कर रहा है। खुले में शौच के विरूद्ध तथा स्वास्थ्यकर आदतों को अपनाए जाने के पक्ष में संचालित इस स्वच्छता सम्बन्धी कार्यक्रम में ग्रामीण समुदाय के बीच शौचालय की मांग सृजित करने और स्वास्थ्यप्रद प्रक्रियाओं को अपनाए जाने से सम्बन्धित घटकों को शामिल किया गया है ताकि लोगों की स्वच्छता सम्बन्धी सोच और व्यवहार में बदलाव आ सके। इसके तहत वीडियो शो, नुक्कड़ नाटक, दीवाल लेखन/चित्रण, स्वच्छता रथ परिभ्रमण जैसी गतिविधियों के मार्फत समझदारी कायम करने में आसानी होती है।

इसी प्रकार, न.भा.जा. केन्द्र द्वारा ठोस कचड़ा पुनर्चक्रीकरण के सार्वजनिक प्रदर्शन के सिलसिले में राँची के पास चुटटू और चकला गाँवों में वर्मी कंपोस्ट और मिलबोर्ड इकाइयों की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। यहाँ बीते वर्ष 220 मेट्रिक टन जैविक खाद और 338 मेट्रिक टन मिलबोर्ड/दफ्ती कागज का उत्पादन हुआ, जिसकी पूरी खपत स्थानीय बाजार में हो जाती है। स्वच्छता सम्बन्धी उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था लोगों के बीच सम्बन्धित सोच और व्यवहार परिवर्तन के साथ सुविधा उपलब्धता के प्रयासों में भी जुटी है।

FELICITATION CEREMONY FOR RCC CHILDREN

NBJK has organized a felicitation ceremony for students of RCCs (Remedial Coaching Centers) who have passed 10th class board examination with flying colors. On 14 June, Mr. Akhilesh Jha and Mr. Rameshwar Upadhyay (Managers, Axis Bank-Hazaribag) have felicitated 115 such students of Sadar block with prize items during a program at NBJK coordination office. Mr. Jha has congratulated all those who secured 90% or above marks in Science, English and Mathematics despite hurdles. He was hopeful that in *plus two* also, this success will be replicated with more marks. Its significant that out of total 1047 students from RCCs who appeared for matric examination this year, 56% could achieve 1st division, 34% came out with 2nd division and 5% with 3rd division. Over all result of RCC students is 95%. On this occasion, Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has expressed gratitude to Axis Bank Foundation, Mumbai which supports 100 RCCs in Hazaribag district and he encouraged village children to inculcate human values. 41 students in Churchu and 102 in Chouparan blocks have been felicitated on 17, 18 and 21 June later on.

आर.सी.सी. के बच्चों का बढ़ाया उत्साह

एक्सिस बैंक फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से हजारीबाग जिला के सदर, चुरचू और चौपारण प्रखडों के ग्रामीण क्षेत्र में संचालित रिमीडियल कोचिंग केन्द्रों (आर.सी.सी.) के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। 14 जून को न.भा.जा. केन्द्र संयोजन कार्यालय परिसर में आयोजित एक समारोह के दौरान एक्सिस बैंक, हजारीबाग शाखा के प्रबंधकगण श्री अखिलेश झा और श्री रामेश्वर उपाध्याय ने दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सदर प्रखंड के 115 बच्चों को अंग्रजी, गणित और विज्ञान में 90% या अधिक अंक लाने पर बधाई दिया और उम्मीद जतायी कि कठिनाइयों के बावजूद अच्छे अकादमिक प्रदर्शन का यह सिलसिला जारी रहेगा। विदित हो कि इस वर्ष आर.सी.सी. में पढ़ने वाले कुल 1047 परीक्षार्थियों में से 56% प्रथम, 34% द्वितीय और 5% तृतीय श्रेणियों से उत्तीर्ण हुए हैं। कुल परिणाम 95% है। इस अवसर पर न.भा.जा. केन्द्र के मंत्री श्री सतीश गिरिजा ने हजारीबाग में 100 आर.सी.सी. संचालन के सहयोगी एक्सिस बैंक फाउंडेशन के प्रति आभार प्रकट करते हुए बच्चों को मानवीय मूल्यों की महत्ता से परिचय कराया। चुरचू प्रखंड के ऐसे 41 और चौपारण प्रखंड के 102 छात्र-छात्राओं को 17, 18 और 21 जून को सम्मानित किया गया।

SEWING MACHINES FOR SWABAL BENEFICIARIES

4 challenged youths – Sindhu Kumari, Vikas Kumar, Arnita Kumari and Reena Kumari from Sadar block, Hazaribag have received new sewing machines on 25 June under Swabal program with support of Axis Bank Foundation, Mumbai. These differently able young people have completed their tailoring training under the program and going to initiate their own work for income generation. Mr. Rupesh Mallik (program manager) has informed that there are 12 youths with disabilities who have completed practical training in the trades like cell phone repair, beautician, bike repair, tailoring, shop keeping etc. and received related tool kits or support materials worth Rs. 3,250 also. He said that 13 more youths will complete their training till next month against the annual target to prepare 50 disabled youths in Hazaribag with skill development training for sustainable livelihood under *Swabal* launched on 30 January this year.

स्वबल परियोजना के लाभुकों को सिलाई मशीन

25 जून को एक्सिस बैंक फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से हजारीबाग और दुमका जिलों में क्रियान्वित स्वबल परियोजना अन्तर्गत हजारीबाग सदर के चार निःशक्त युवाओं - सिंधु कुमारी, विकास कुमार, अर्णिता कुमारी और रीना कुमारी को नयी सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। परियोजना प्रबंधक श्री रूपेश मल्लिक ने बताया कि अब तक 12 निःशक्त युवाओं को मोबाइल फोन मरम्मत, ब्युटीशियन, बाइक मरम्मत, टेलरिंग, दुकान प्रबंधन आदि का प्रशिक्षण मिलने के बाद 3250 रू. की सहायक सामग्री/टूल किट भी उपलब्ध कराये गये हैं। इन्होंने कहा कि अगले माह तक 13 अन्य निःशक्त युवाओं का कौशल विकास प्रशिक्षण समाप्त हो जाएगा। ज्ञात हो कि गत 30 जनवरी को प्रारंभ स्वबल परियोजना की मदद से हजारीबाग और दुमका में 100 निःशक्त युवाओं (18-45 वर्ष) को स्थानीय स्तर पर विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण पूरा करने के बाद स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य है।

AIDS & APPLIANCES FOR CHILDREN WITH DISABILITIES

53 children with disabilities from villages in Hazaribag district have been provided aids & appliances by Remedial Coaching Center project with support of Axis Bank Foundation, Mumbai. In the camps held during 25-27 June, there were 20 children from 14 villages like Dumri, Chakrasar, Basaria of Chouparan block, 16 children from 10 villages namely Baiheri, Silwar, Mandai and others in Sadar block while 17 children from 12 villages like Bodra, Jordag, Nano etc. in Churchu block have got hearing aids, calipers, wheel chairs, CP chairs, tricycles and others as per assessment made earlier. On this occasion, Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) was hopeful for further utilization of these aids & appliances to bring normalcy and academic mainstreaming for challenged children and has conveyed best wishes for their bright future also. Mrs. Sujata Prasad (program manager) said that school education for girls and children with disability are priority areas for RCCs running in rural pockets of Hazaribag.

निःशक्त बच्चों के लिए सहायक उपकरण

हजारीबाग जिला के 53 ग्रामीण निःशक्त बच्चों को एक्सिस बैंक फाउंडेशन समर्थित आर.सी.सी. परियोजना अन्तर्गत सहायक उपकरण मिले हैं। 25-27 जून को आयोजित शिविरों में चौपारण प्रखंड के डुमरी, चक्रसार, बसरिया आदि 14 गाँवों के 20 बच्चों, सदर प्रखंड के बैहरी, सिलवार, मंडई आदि 10 गाँवों के 16 बच्चों और चुरचू प्रखंड के बोदरा, जोरदाग, नानों समेत 12 गाँवों के 17 बच्चों को श्रवण यंत्र, बैसाखी, हील चेयर, सीपी चेयर, ट्राईसाइकिल सहित अन्य सहायक उपकरण प्रदान किये गए। इस अवसर पर न.भा.जा. केन्द्र के कोषाध्यक्ष श्री प्रभुनाथ शर्मा ने लाभुक बच्चों एवं अभिभावकों को शुभकामना देते हुए कहा कि इन उपकरणों की मदद से बच्चों को सामान्य जीवन बिताने, स्कूल आवागमन और शिक्षा जारी रखने में सहूलियत होगी। कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती सुजाता प्रसाद ने बताया कि रिमीडियल कोचिंग केन्द्रों की संचालन नीति में बालिकाओं और निःशक्तों के लिए स्कूली शिक्षा के साथ आत्मनिर्भरता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

SAMPURNA PARIVARTAN YATRA MEETINGS AT KHAGARIYA AND SAMASTIPUR

Khagariya and Samastipur district units of Lok Samiti in Bihar have organized meetings on 9 and 27 June respectively in context of Sampurna Parivartan Yatra, an advocacy campaign by Lok Samiti for good governance and policies. During his address, Mr Girija Satish (President, National Lok Samiti) put stress over large scale political, economic and social reforms in India for inclusive development. He said that present political system does not reflect people's aspirations fairly and needs some changes like direct election for PM/CM, abolition of Rajya Sabha/ Vidhan Parishad and a revised set of role & responsibility for people's representatives. The president of National Lok Samiti has favored for a strong decentralized channel of PRIs/local bodies and closure of administrative units like sub-division and commissionary. The all powerful police & judges should be downsized, jail must be a reform center and our legal system can be less complex, he emphasized. Mr. Girija Satish has suggested for state support to private operators in the field of health & education if they ensure proper service for weaker section. He reiterated for a combined strategy of agriculture and industrial boost up for rural areas with 24 hours power supply, small manufacturing units, field level agronomists and 90% subsidy for personal irrigation schemes. Mr Girija Satish has appealed people to discourage liquor intake and atrocious attitude towards women. Mr. Vijay Kumar (President, Bihar State Lok Samiti), Mr. Vidya Bhushan (Ex-MLA), Prof. P.N. Thakur, Mrs. Kranti Rasosh, Mr. D.K. Dev, Mr Shivji Singh, Mr K.G. Azad, Mr Dilip Giri, Mr. Sanjay Bablu and Mr. Surendra Kumar were prominent among speakers and organizers. About 250 active members of Lok Samiti have attended these programs.

खगड़िया-समस्तीपुर में ''संपूर्ण परिवर्तन यात्रा'' बैठकें

बिहार प्रदेश लोक समिति की खगड़िया और समस्तीपुर जिला इकाईयों ने क्रमशः 9 और 27 जून को अभिशासन/नीतियों पर जारी जनवकालत कार्यक्रम ''संपूर्ण परिवर्तन यात्रा' के संदर्भ में विशेष बैठकों का आयोजन किया, जिन्हें संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोक समिति अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने भारत में समावेशी विकास हेतु राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत पर बल दिया। इन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक प्रणाली जनाकांक्षाओं को संपूर्णता में अभिव्यक्त नहीं कर पाती और इसमें कुछ परिर्वतनों यथा - प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री पदों का सीधा चुनाव, राज्यसभा/ विधान परिषदों की समाप्ति और जन प्रतिनिधियों की भूमिका-दायित्व पर पुनर्विचार के साथ चुनाव प्रक्रिया में सुधार की बेहद जरूरत है। राष्ट्रीय लोक समिति अध्यक्ष ने पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों की एक मजबूत विकेन्द्रीकृत व्यवस्था का समर्थन करते हुए कमिश्नरी, सबडिवीजन जैसी प्रशासनिक इकाईयों को बंद कर देने की सलाह दिया। यदि पुलिस और न्यायाधीशों के अभूतपूर्व अधिकार क्षेत्र को व्यावहारिक बनाया जाए, जेल सुधार गृह में बदल जाएँ और न्यायिक व्यवस्था सरल रहे तो अपराध घटेंगे, ऐसा इनका मानना था। श्री गिरिजा सतीश ने कहा कि कमजोर लोगों तक स्तरीय शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए निजी क्षेत्रों को सरकारी मदद मिलनी चाहिए। इन्होंने ग्रामीण इलाकों में कृषि और उद्योग की मिश्रित नीति अपनाने पर जोर देते हुए 24 घंटे बिजली, छोटी उत्पादक इकाइयों की स्थापना, प्रखंड स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों की उपलब्धता और व्यक्तिगत सिंचाई योजनाओं में 90% सब्सिडी दिये जाने की बात कही। श्री गिरिजा ने लोगों से अपील किया कि शराब के बढ़ते चलन और महिलाओं के प्रति पशु प्रवृत्ति को हतोत्साहित करें। कार्यक्रम में शामिल प्रमुख व्यक्तियों में सर्वश्री विजय कुमार (अध्यक्ष, बिप्रलोस), विद्याभूषण (भू. पू. विधायक), प्रो. पी. एन. ठाकुर, श्रीमती क्रांति रासोश, डी.के. देव, शिवजी सिंह (मंत्री, बिप्रलोस), के.जी. आजाद (संयोजक, रालोस), दिलीप गिरि, संजय बबलू, सुरेन्द्र कुमार आदि प्रमुख थे।

OUTING FOR DEAFBLIND CHILDREN

Under Sense India (Ahmadabad) supported program of Sustainable Services for Deafblind Children, an outing was organized on 28 June at Hazaribag. There were 22 children and parents who participated in this event zestfully. With NBJK team, they all visited Swarna Jayanti Park and celebrated birthday of the pioneer lady Ms Helen Keller who was the first deafblind person to earn a Bachelor of Arts degree. A prolific author, Keller was well travelled and outspoken in her convictions as a campaigner for women's suffrage, labor rights, socialism and other radical causes in USA. Md. Nayeem (team leader) has briefed about importance of the day and encouraged all parents & children to enjoy it. Mr Paras Nath Mahto (special teacher) provided tips to parents over daily schedule, therapy, services and learning process of such children. These DB children have made beautiful rangolees and drawings on this occasion. They found a suitable milieu and enough space for mobility, play or to enjoy swings inside the park. The program was concluded with a tasteful lunch together and happy moments shared by all.

बधिरांध बच्चों का भ्रमण कार्यक्रम

सेंस इंडिया के सहयोग से न.भा.जा.केन्द्र द्वारा संचालित बंधिरांध बच्चों हेतु सेवा सम्बन्धी कार्यक्रम अन्तर्गत 28 जून को हजारीबाग में उन बच्चों का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 22 बधिरांध बच्चे और उनके अभिभावकगण शामिल थे। परियोजना टीम के साथ स्थानीय स्वर्णजयंती पार्क पहुँचे इन बच्चों ने प्रख्यात बधिरांध महिला सुश्री हेलेन केलर का जन्मदिन (27 जून) भी मनाया, जिन्हें ऐसी प्रथम महिला स्नातक होने का गौरव हासिल है। समाजवादी विचारधारा की प्रसिद्ध लेखिका सुश्री केलर (1880-1968) ने अमेरिका में महिला मताधिकार और मजदूर हितों के साथ अनेक सामाजिक मुद्दों पर काफी काम किया है। मो. नईम (टीम लीडर) ने बच्चों-अभिभावकों को इस खास दिन की महत्ता से परिचित कराते हुए आनंद मनाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री पारसनाथ महतो (विशेष शिक्षक) ने अभिभावकों को बधिरांध बच्चों की दिनचर्या, सीखने की प्रक्रिया, थेरेपी और उनके लिए उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दिया। बधिरांध बच्चों ने इस अवसर पर सुन्दर रंगोलियाँ-चित्र बनाए और पार्क में मौजूद झूलों-स्लाइडों पर उधम भी मचाया। सामूहिक स्वादिष्ट भोजन के साथ इस सुन्दर दिन का अंत हुआ।

NEW OPD AND CANTEEN FOR LNJP EYE HOSPITAL

NBJK run Loknayak Jaiprakash Eye Hospital, Bahera (Chouparan, Hazaribag) got another OPD building and a canteen with generous support of Shah Family from Ahmadabad. The inaugural function was held at the hospital on 24 June and Baby Meera (daughter of Mr Dhruv and Mrs Roshni) has cut the ribbon. The canteen building is named after her as Meera Bhawan. On this occasion, Mr Dhruv P. Shah has praised NBJK for the commitment to causes and a truthful association it maintained for decades. He said that to live for others is always better than any self centered living. Before this, they were received warmly by the hospital team. Mr Satish Girija (Secretary, NBJK) has briefed about LNJPEH and assured for quality eye care services affordable to mass. Mr Gandharv Gaurav (Director, LNJPEH) has informed about modern facilities for treatment of diabetic retinopathy at the hospital with support of World Diabetes Foundation, Denmark. He said that village level screening camps with vision centers at Chatra, Koderma and Hazaribag play important role to draw eye patients as well as creating awareness generation also. The function was attended by prominent personalities of the area. It's noteworthy that Mr Dhruv P. Shah & family support NBJK to run 3 high schools also in the district.

लोकनायक अस्पताल में नया ओपीडी और कैंटीन

न.भा.जा.केन्द्र संचालित लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, बहेरा (चौपारण), हजारीबाग में अहमदाबाद स्थित शाह परिवार के सहयोग से नया बाह्य रोगी कक्ष और जलपान-गृह का निर्माण किया गया है। 24 जून को अस्पताल में श्रीमती रोशनी और श्री ध्रुव पी. शाह की पुत्री बेबी मीरा ने इसका उद्घाटन किया। जलपान-गृह का नाम मीरा भवन रखा गया है। इस अवसर पर श्री ध्रुव पी. शाह ने न.भा.जा.केन्द के मूल्यों की प्रशंसा करते हुए परस्पर की लम्बी साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। इन्होंने कहा कि दूसरों के लिए जीना सिर्फ अपने लिए जीने से हमेशा बेहतर होता है। इसके पूर्व अस्पताल प्रबंधन द्वारा इन लोगों का हार्दिक स्वागत किया गया। श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न.भा.जा. केन्द) ने लोकनायक आँख अस्पताल की संक्षिप्त जानकारी देते हुए यहाँ कम खर्च में स्तरीय सेवा उपलब्धता के प्रति आश्वस्त किया। श्री गंधर्व गौरव (निदेशक, लोक नायक जय प्रकाश आँख अस्पताल) ने वर्ल्ड डायबिटिज फाउंडेशन, डेनमार्क की सहायता से डायबिटिक रेटिनोपैथी के इलाज की आधुनिक सुविधा पर प्रकाश डाला। इन्होंने कहा कि गाँवों में आयोजित आँख जाँच शिविर तथा कोडरमा, हजारीबाग और चतरा जिलों में संचालित विजन सेंटर की वजह से लोगों में नेत्र सुरक्षा के प्रति जागरूकता आयी है और बड़ी संख्या में नेत्र रोगियो ने लोकनायक आँख अस्पताल पर भरोसा किया है।

Case Study

COMMUNITY SANITARY BLOCKS AT RANCHI SLUMS

Under WaterAid supported Community Based WASH Initiatives for Urban Poor in slum areas like Nayaktoli, Nagratoli, Ravidas Muhalla, Domtoli and Quoreshi Muhalla in Ranchi; Community Sanitary Blocks (CSBs) are a model hygienic set up to provide toilet amenities for the people of weaker section. There are 3 CSBs being used by around 300 families compelled for open defecation earlier. People are organized here as Slum Development Committees in each area and took responsibility to maintain and monitor CSBs. They deposit monthly service charge from each household to run CSBs and collect user charge from others who use WASH facilities provided here. Though some times this is not easy to collect money but timely intervention like awareness drive or door to door visit by NBJK project staff makes a way to address the problem. These Community Sanitary Blocks provide 24x7 services to all, safety for women & girl children and people could develop a sense of belongingness to this public system they were deprived of before.

स्लम क्षेत्रों में सामुदायिक स्वच्छता केन्द्र

राँची शहर के नायकटोली, नगराटोली, रविदास मोहल्ला, डोमटोली और कुरेशी मुहल्ला जैसे स्लम क्षेत्रों में न.भा.जा.केन्द्र द्वारा वाटरएड, यू.के. की मदद से संचालित निर्धनों हेतु समुदाय आधारित वाश (water, sanitation & hygiene) यानी जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सम्बन्धी पहल कार्यक्रम के तहत समुदायिक स्वच्छता केन्द्रों की शुरूआत एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। इनकी वजह से कमजोर वर्ग के लोगों तक सम्बन्धित सुविधाओं की पहुंच बनी है। अभी इस प्रकार के 3 स्वच्छता केन्द्रों के माध्यम से लगभग 300 परिवार शौच और स्नान सुविधा के लाभुक बने हैं। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने स्लम विकास समितियों का गठन कर स्वच्छता केन्द्रों के रख-रखाव और संचालन की जिम्मेवारी संभाली है। इसके लिए प्रत्येक लाभुक परिवार प्रति माह सेवा शुल्क जमा करता है और स्वच्छता सम्बन्धी इन सुविधाओं के एवज में अस्थायी उपयोगकर्त्ता भी एक मामूली राशि का भुगतान करते हैं। यद्यपि कभी-कभी सेवा शुल्क जमा करने में कठिनाई होती है। लेकिन जागरूकता अभियान, व्यक्तिगत संपर्क आदि द्वारा संस्था के कार्यकर्त्तागण इस समस्या का समाधान करते हैं। सामुदायिक स्वच्छता केन्द्रों द्वारा 24×7 सेवा, महिला सुरक्षा जैसी बातों पर ध्यान देने से इनके साथ लोगों का जुड़ाव हुआ है और उनमें सामूहिक जिम्मेवारी की भावना आयी है।

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय,
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा,
जिला – हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित।
दूरभाष : 06546 – 263332, +91 9835751159
ई मेल : nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com

To,

For Private Circulation Only /केवल निजी वितरण हेतु